Objective of Career Guidance

1) शैक्षिक निर्देशन देना।
2) व्यावसायिक निर्देशन देना।
3) व्यक्तिगत तथा सामाजिक निर्देशन देना
4) परामर्श देना।

1) छात्रों को शैक्षिक निर्देशन देना

1) प्रतिभाशाली तथा सर्जनात्मक छात्रों की पहिचान करना तथा उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति करके विकास करना।

2) कमजोर छात्रों का निदान करके उनकी कठिनाईयों के लिए उपचारी शिक्षण की व्यवस्था करना।

3) शैक्षिक कार्यक्रमों का परिवीक्षण करना और विकास हेतु सुझाव देना।

4) छात्रों को उनकी योग्यताओं, क्षमताओं तथा कमजोरियों से अवगत कराना।

5) छात्रों को आगामी शिक्षा एवं प्रशिक्षण हेतु सूचनायें प्रदान करने में सहायता करना।

2) छात्रों को व्यावसायिक निर्देशन देना

i) छात्रों को रोजगार सम्बन्धी अवसरों की सूचनाओं को एकत्रित करके छात्रों तक पहुँचाना।

2) छात्रों को व्यावसायिक सूचनाओं के विश्लेषण में सहायता कराना।

Phone/Email/Notes
Notes
APRIL
3 10 17 24
4 11 18 25
5 12 19 26
6 13 20 27
7 14 21 28
1 8 15 22 29
2 9 16 23 30
Scanned with CamScanner

3. छात्रों को स्व: रोजगार सम्बन्धी सूचनाओं तथा अवसरों से अवगत कराना और स्थानापन सेवायें प्रदान करना।

4) व्यक्तिगत एवं सामाजिक निर्देशन देना

1) छात्रों के समायोजन सम्बन्धी सूचनाओं को पहचानना और उनके समाधान में सहायता करना।

2) छात्रों में अच्छी आदतें, मूल्यों, आचरणों तथा भावात्मक सन्तुलन जैसे गुणों का विकास करना।

3) छात्रों में पारस्परिक सम्बन्धों का विकास करना।

4) छात्रों को रिक्त समय के सदुपयोग के लिए निर्देशन देना।

5) छात्रों को स्वस्थ मस्तिष्क बनाये रखने में सहायता करना।

कैरियर निर्देशन के कार्य –

i) भौतिक सुविधाओं का विकास करना।

1) परीक्षण सम्बन्धी उपकरणों, प्रपत्रों तथा पत्रिकाओं की सूची तैयार करना।

2. आवश्यक स्रोतों, साधनों, साज-सज्जा को प्राप्त करना तथा व्यवस्था करना।

Phone/Email/Notes
Notes

3. विशिष्ट प्रशिक्षण प्राप्त कार्य कर्ताओं को उनके उत्तरदायित्व को सौंपना।

MARCH

M		6	13	20	27
T		7	14	21	28
W	1	8	15	22	29
T	2	9	16	23	30
F	3	10	17	24	31
S	4	11	18	25	
S	5	12	19	26	

Scanned with CamScanner

2. निर्देशन सम्बन्धी कार्यों की व्यवस्था करना -

1) रोजगार सम्बन्धी सूचनाओं को एकत्रित करना और उनका प्रसार करना।

2) छात्र सम्बन्धी प्रपत्रों का अनुरक्षण करना।

3) सामूहिक निर्देशन का आयोजन करना।

4) वृत्तिक सम्मेलन का आयोजन करना।

5) अनाथ छात्रों के लिए निर्देशन सलाह का नियोजन करना।

6) पुस्तकालय का सदुपयोग तथा वृत्तिक कोष्ठ स्थापित करना।

7) परामर्श सत्र की व्यवस्था करना, व्यक्तिगत भावात्मक समस्याओं तथा सामाजिक समस्याओं के समाधान में सहायता करना।

8) समस्याओं को एकत्रित करके उनके समाधान हेतु विश्लेषण करना।

9) पूर्व छात्रों का संघ बनाना और अभिभावकों तथा शिक्षकों की क्रियाओं का परीक्षण करना।

10) निर्देशन सम्बन्धी क्रियाओं हेतु केन्द्र की स्थापना करना।

Phone/Email/Notes

Notes

APRIL

M		3	10	17	24
T		4	11	18	25
W		5	12	19	26
T		6	13	20	27
F		7	14	21	28
S	1	8	15	22	29
S	2	9	16	23	30

Scanned with CamScanner

2. अनौपचारिक कैरियर निर्देशन →

निर्देशन की प्रक्रिया कब से प्रारम्भ हुई कैरियर यह निश्चित करना कठिन है। क्योंकि मानव विकास के साथ ही इस प्रक्रिया का आरम्भ हुआ। औपचारिक कैरियर निर्देशन के आरम्भ के सम्बन्ध में समय बताया जा सकता है। परन्तु अनौपचारिक कैरियर निर्देशन प्रक्रिया अति प्राचीन है। बालक को कैरियर निर्देशन कब से दिया जाए यह औपचारिक प्रक्रिया में तो विद्यालय कक्षा आठ से आरम्भ किया जाता है इसलिए इसे 'डेल्टा क्लास' की संज्ञा दी जाती है। कक्षा आठ तक सभी को एक ही पाठ्यक्रम को पढ़ते हैं। कक्षा आठ के बाद रूचियों में विभाजन होता है जिनका सम्बन्ध भावी रोजगार से होता है।

भारत में अधिकांश महापुरुषों का जीवन-वृत्त अनौपचारिक कैरियर निर्देशन से ही व्यक्तित्व का विकास अनौपचारिक प्रक्रिया से प्रभावित होता है। अनौपचारिक प्रक्रिया से रोजगार के स्थापन में ही सहायता की जा सकती है। इसका क्षेत्र सीमित तथा संकुचित है, जबकि अनौपचारिक कैरियर निर्देशन का क्षेत्र अधिक व्यापक एवं वृहद है।

अनौपचारिक प्रक्रिया में निर्देशन माँ के पेट से आरम्भ हो जाता है। कुछ विद्वानों का विचार है कि पूर्व जन्म के संस्कारों से आरम्भ होता है। जैसे - अभिमन्यु चक्रव्यूह की कला, महात्मा बुद्ध भी अपना अन्तरात्मा से ही राजपाट, महात्मा गांधी